RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 288
दि. 19.02.2026,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का उद्घाटन करेंगे

समिट की थीम है: सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय, अर्थात् सभी का कल्याण, सभी की प्रसन्नता

समिट के तीन प्रमुख स्तंभ हैं: मनुष्य, पृथ्वी और प्रगति

प्रतिभागियों में 500 से अधिक वैश्विक एआई अग्रणी व्यक्ति, 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख तथा लगभग 60 मंत्री और उपमंत्री शामिल

प्रधानमंत्री इन अग्रणी व्यक्तियों के पूर्ण सत्र और सीईओ गोलमेज सम्मेलन में भाग लेंगे

प्रधानमंत्री अन्य वैश्विक नेताओं के साथ इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 में कंट्री पवेलियन का दौरा करेंगे

प्रधानमंत्री 18 फरवरी को शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले नेताओं का स्वागत करेंगे

(जीएनएस)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 19 फरवरी को नई दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का दौरा करेंगे और इसका उद्घाटन करेंगे। इससे पहले, 18 फरवरी को शाम लगभग 7 बजे, प्रधानमंत्री भारत मंडपम में समिट में भाग लेने वाले विभिन्न देशों के नेताओं का स्वागत करेंगे। इस दौरान, प्रधानमंत्री समिट में शामिल होने वाले कई वैश्विक नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

प्रधानमंत्री 19 फरवरी को सुबह लगभग 9:40 बजे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री के साथ-साथ फ्रांस के राष्ट्रपति, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव और विश्व भर के विभिन्न शीर्ष उद्योगपति भी उद्घाटन समारोह को संबोधित करेंगे।

इसके बाद वे अन्य नेताओं के साथ सुबह लगभग 11 बजे इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का दौरा करेंगे, जहां वे विभिन्न देशों के पवेलियन का अवलोकन करेंगे।

प्रधानमंत्री इसके बाद, दोपहर लगभग 12 बजे से आरंभ होने वाले

नेताओं के पूर्ण सत्र में भाग लेंगे। इसमें राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री और बहुपक्षीय संस्थानों के वरिष्ठ प्रतिनिधि एक साथ मिलकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर राष्ट्रीय और वैश्विक प्राथमिकताओं की रूपरेखा तैयार करेंगे, जिसमें शासन, अवसंरचना और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग शामिल हैं।

प्रधानमंत्री इसके बाद, शाम 5:30 बजे से सीईओ गोलमेज सम्मेलन में भाग लेंगे। इसमें वैश्विक प्रौद्योगिकी और उद्योग जगत की कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी सरकारी नेतृत्व के साथ मिलकर निवेश, अनुसंधान सहयोग, आपूर्ति श्रृंखला और एआई प्रणालियों की तैनाती पर चर्चा करेंगे।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की थीम है- सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय, अर्थात सभी का कल्याण, सभी की प्रसन्‍ नता। इसका उद्देश्य भारत को एआई के क्षेत्र में अग्रणी देश के रूप में स्थापित करना और एक ऐसे भविष्य की कल्पना करना है जहां एआई मानवता को आगे बढ़ाए, समावेशी विकास को बढ़ावा दे और हमारी साझा धरती की रक्षा करे।

समिट में सात कार्यकारी समूह शामिल हैं, जो तीन मुख्य स्तंभों झ्र मनुष्‍ य, पृथ्‍ वी और प्रगति - के अनुरूप हैं। ये समूह विभिन्न सेक्‍ टरों में एआई के प्रभाव को प्रदर्शित करने वाले ठोस परिणाम देने पर काम करेंगे। सात थीम हैं: आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई के लिए एआई; एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण; सामाजिक सशक्तिकरण के लिए समावेशन; सुरक्षित और विश्वसनीय एआई; मानव पूंजी; विज्ञान; गतिशीलता, नवोन्मेषण और दक्षता।

इस समिट में सीईओ/सीएक्सओ सहित 500 से अधिक एआई के वैश्विक रूप से अग्रणी ‍ यक्ति, लगभग 100 सीईओ और संस्थापक, 150 शिक्षाविद और शोधकर्ता, और 400 सीटीओ, वीपी और परोपकारी व्यक्ति एकजुट होंगे। इसमें 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों तथा लगभग 60 मंत्रियों एवं उपमंत्रियों सहित 100 से अधिक सरकारी प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

बीएसपी के खिलाफ कौन रच रहा है साजिश? यूपी चुनाव से पहले मायावती ने अंबेडकरवादियों को किया अलर्ट

(जीएनएस)। बहुजन समाज पार्टी की चीफ मायावती ने आगामी उत्तर प्रदेश चुनावों को लेकर एक महत्वपूर्ण बयान जारी किया है। उन्होंने अपने विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव नजदीक आते ही पार्टी को सत्ता से दूर रखने की कोशिशें और साजिशें तेज हो जाएंगी।

मायावती ने कहा कि, 'जैसे-जैसे चुनाव पास आएंगे, जो लोग हमारे खिलाफ हैं, वे हमें सत्ता से दूर रखने की और भी कोशिश करेंगे और हमारे खिलाफ साजिश करेंगे। सिर्फ वढ में ही नहीं बल्कि पूरे देश में सभी 'अंबेडकरवादियों' को डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के आत्म-सम्मान पाने के आंदोलन को मजबूत करने के लिए काम करते रहना चाहिए।'

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि जनता को गुमराह करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) टूल्स का इस्तेमाल करके ऐसी अटकलें फैलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा, 'यह बिल्कुल गलत, झूठी, बेबुनियाद और मनगढ़ंत खबर है। ये बातें जानबूझकर लोगों को गुमराह करने के लिए फैलाई जा रही हैं।'

बीएसपी अकेली लड़ेगी चुनाव

उन्होंने राजनीतिक नेताओं और मीडिया के कुछ हिस्सों से बिना वेरिफिकेशन वाले दावों को बढ़ावा देने से बचने की अपील की। मायावती ने दोहराया कि उन्होंने इरढ के अकेले चुनाव लड़ने के फैसले की बार-बार घोषणा की है। उन्होंने 9 अक्टूबर, 2025 को पार्टी के फाउंडर कांशीराम की पुण्यतिथि पर लखनऊ में एक मेगा

पार्टी वर्करों से की खास अपील

रैली में इस बारे में पब्लिक में ऐलान करने की बात याद की।

उन्होंने कहा, 'उस ऐलान पर देश भर में चर्चा के बाद, कोई कन्फ्यूजन नहीं होना चाहिए। फिर भी कुछ लोग और मीडिया के कुछ हिस्से झूठी खबरें फैलाने के लिए गलत इरादे से कैंपेन चला रहे हैं। यह इरढ के खिलाफ एक चाल है और लोगों को इस पर ध्यान नहीं देना चाहिए।'

सपा-बीजेपी और कांग्रेस पर साधा निशाना

इरढ चीफ ने यह भी आरोप लगाया कि इंडियन नेशनल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की 'छोटी सोच' है और वे बी. आर. अंबेडकर की आइडियोलॉजी का विरोध करती हैं, साथ ही कहा कि इरढ के साथ अलायंस की कोई भी बात सिर्फ चुनावी फायदे के लिए होती है। उन्होंने कहा, 'अलायंस पॉलिटिक्स ने पहले भी इरढ को नुकसान पहुंचाया है। इसलिए, पार्टी वर्कर 2027 का असेंबली इलेक्शन अकेले और पूरी लगन से लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।'

पार्टी वर्करों से फोकस रहने की अपील करते हुए, मायावती ने उनसे कहा कि वे विरोधी पार्टियों की साजिशों से ध्यान न भटकें। उन्होंने कहा कि इरढ को राज्य में पूरी बहुमत वाली सरकार बनाने के मकसद से पूरे भरोसे के साथ आगे बढ़ना चाहिए, जैसा उसने 2007 में किया था। दिल्ली में उन्हें टाइप-8 बंगला दिए जाने पर हुए विवाद पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि एक पूर्व मुख्यमंत्री और इरढ अध्यक्ष के तौर पर सुरक्षा खतरों का सामना करते हुए, उन्हें पहले भी ऐसा ही घर दिया गया है।

यूपी: भागवत से सीएम योगी की मुलाकात ने बढ़ाई सियासी सरगर्मी, करीब 35 मिनट तक दोनों के बीच हुई गुप्तगू

लखनऊ, (जीएनएस)। संघ प्रमुख दो दिवसीय प्रवास पर राजधानी में हैं। बुधवार को उनके प्रवास का अंतिम दिन था। सीएम की भागवत से मुलाकात निहायत ही एकांत में बंद कमरे में हुई।

प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार और संगठन में फेरबदल होने की अटकलों के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह मोहन भागवत से हुई मुलाकात ने सियासी सरगर्मी बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री बुधवार को रात आठ बजे संघ प्रमुख से मिले राजधानी के निराला नगर स्थित संघ कार्यालय परिसर में सरस्वती शिशु मंदिर पहुंचे। एकांत में दोनों के बीच करीब 35 मिनट तक बातचीत हुई। हालांकि इसे शिष्टाचार मुलाकात बताया जा रहा है।

संघ प्रमुख दो दिवसीय प्रवास पर राजधानी में हैं। बुधवार को उनके प्रवास का अंतिम दिन था। सीएम की भागवत से मुलाकात निहायत ही एकांत में बंद कमरे में हुई। मौजूदा समय में प्रदेश की सियासत के स्तर पर होने वाले बदलाव को देखते हुए इस मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। दोनों के बीच मुलाकात को भले ही शिष्टाचार बताया जा रहा है किस लेकिन योगी की बार-बार संघ प्रमुख से होने वाली मुलाकातों को लेकर अटकलों का बाजार गरम है।

सूत्रों का कहना है कि इधर बीच जिस तरह से संघ प्रमुख का फोकस यूपी को लेकर दिख रहा है और वह किसी न किसी कार्यक्रम के बहाने यूपी आ रहे हैं। उससे साफ है कि 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव का ताना-बाना बुनने में संघ परिवार की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। वह जब भी यूपी के दौरे पर होते हैं, सीएम योगी की मुलाकात भी होती रही है।

यूपी में अगले साल विधानसभा का चुनाव होने वाला है। इस लिहाज से भी सरकार और संघ के मुखिया की मुलाकात अहम है।

नाबालिग से छेड़छाड़ रेप की कोशिश' सुप्रीमकोर्ट ने पलटा इलाहाबाद हाईकोर्ट का विवादित आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने रेप के मामले में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस विवादित फैसले को पलट दिया जिसमें कहा गया था कि नाबालिग लड़की के साथ हुई बदसलूकी को बलात्कार का प्रयास नहीं माना गया था।

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इलाहाबाद HC के उस तर्क को खारिज कर दिया है जिसमें आरोपी के कृत्य को केवल प्रिप्रेशन के स्तर पर माना गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब इरादा में बदल जाता है, तो वह प्रयास की श्रेणी में आता है।

श्रीनगर हाईवे पर सुरक्षा बलों ने नाकाम की बड़ी आतंकी साजिश

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने बुधवार की सुबह एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम किया। जांच एजेंसी श्रीनगर-बारामूला नेशनल हाईवे पर सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील नारबल इलाके के पास रिंग रोड पर संदिग्ध ब्रीफकेस मिलने से पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई। जहां विस्फोटक की मौजूदगी ने सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी थी। ताजा अपडेट के अनुसार, नियमित गश्त के दौरान सुबह करीब 7:00 बजे सड़क किनारे एक लावारिस ब्रीफकेस देखा गया। इसकी संदिग्ध स्थिति को देखते हुए तुरंत 'आईईडी प्रोटोकॉल' लागू किया गया। सुरक्षा बलों ने बिना समय गंवाए पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और हाईवे पर यातायात को अस्थायी रूप से रोक दिया गया।

सूटकेस के अंदर क्या मिला?

जानकारी मिलते ही बम निरोधक दस्ता और 29 राष्ट्रीय राइफल्स की टीम मौके पर पहुंच गई। जांच में पुष्टि हुई कि सूटकेस के अंदर आईईडी प्लांट किया गया था। सुरक्षा बलों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए इलाके को पूरी तरह सैनिटाइज किया और एक नियंत्रित विस्फोट के जरिए आईईडी को सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया। गनीमत रही कि इस कार्रवाई में किसी भी तरह के जान-माल का नुकसान नहीं हुआ।

सर्च ऑपरेशन जारी

विस्फोटक को नष्ट करने के बाद हाईवे पर यातायात को दोबारा बहाल कर दिया गया है। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियां अब इस बात की जांच कर रही हैं कि इस साजिश के पीछे किस आतंकी संगठन का हाथ है।

राज ठाकरे ने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की मुलाकात, बड़ा सवाल कि महाराष्ट्र में क्या होने वाला है बड़ा खेला?

(जीएनएस)। महाराष्ट्र की राजनीति हमेशा चौंकाती रही है। राजनीतिक गलियारों से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की है। यह मुलाकात शिंदे के सरकारी आवास, नंदनवन बंगले पर हुई, जहाँ शिंदे ने ठाकरे का सत्कार किया। इस बैठक ने राज्य की राजनीति में नई अटकलों को जन्म दिया है।

याद रहे मुंबई महानगरपालिका चुनावों के बाद यह राज ठाकरे और एकनाथ शिंदे की पहली औपचारिक मुलाकात है, जिसने इस बैठक को विशेष महत्व दिया है। चुनावों के दौरान दोनों दलों ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था।

गौरतलब है कि राज ठाकरे इस समय अपने चचेरे भाई उद्धव ठाकरे के साथ गठबंधन में हैं, जबकि उद्धव की शिवसेना (यूबीटी) और एकनाथ शिंदे के बीच गहरी राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता है मुंबई महानगरपालिका चुनाव अभियानों के दौरान, राज ठाकरे ने महायुति सरकार पर तीखे हमले किए थे।

मनसे ने इस चुनाव में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के साथ गठबंधन किया था, लेकिन इसके बावजूद उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली थी। वहीं ठाकरे की शिंदे से मुलाकात ने राजनीतिक पर्यवेक्षकों को चौंका दिया है।

राज ठाकरे और एकनाथ शिंदे की पहले कब हुई थी मुलाकात?

कल्याण-डोंबिवली में महापौर चुनाव के बाद भी यह भेंट हुई। वहाँ एक नई राजनीतिक तस्वीर उभरी थी, जब राज ठाकरे की मनसे के स्थानीय नेताओं

ने शिंदे गुट को महापौर पद के लिए समर्थन देकर सबको चौंका दिया। मनसे पार्षदों के समर्थन से शिंदे गुट का महापौर निर्वाचित हुआ। इस पर उद्धव ठाकरे की पार्टी (यूबीटी) भड़क उठी थी; उसने मनसे के स्थानीय पार्षदों के फैसले पर सवाल भी उठाए थे और इससे पहले अप्रैल 2025 में एकनाथ शिंदे ने राज ठाकरे से मुलाकात की थी। तब शिंदे ठाकरे के आवास पर गए थे और दोनों ने साथ में रात्रिभोज भी किया था।

इस मुलाकात के बाद से राजनीतिक गलियारों में गरमागरम बहस छिड़ गई है। सवाल उठ रहे हैं कि क्या यह भविष्य की किसी बड़ी राजनीतिक हलचल का संकेत है, या महाराष्ट्र में किसी नए राजनीतिक समीकरण की शुरूआत होने वाली है? शिंदे ने पहले भी ठाकरे से कई बार मुलाकात की है, लेकिन यह बैठक चुनाव के बाद की पहली होने के कारण विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस मुलाकात ने मनसे और शिंदे गुट की शिवसेना के बीच संभावित राजनीतिक गठजोड़ की अटकलों को फिर से गरमा दिया है।

अमेरिकी डर या सोची-समझी चाल? वो 5 कारण, ईरानी राष्ट्रपति ने क्यों कहा- हमें परमाणु नहीं चाहिए

(जीएनएस)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन का हालिया बयान अंतरराष्ट्रीय गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। उन्होंने बड़े ही सीधे और कुछ हद तक हताश लहजे में दुनिया से पूछा, हम किस भाषा में कहें कि हमें परमाणु बम नहीं चाहिए? यह बयान ऐसे संवेदनशील समय में आया है जब मध्य-पूर्व में बारूद की गंध तेज हो गई है।

पिछले 24 घंटों में अमेरिका ने क्षेत्र में 50 से ज्यादा आधुनिक फाइटर जेट्स और एयर रिफ्यूलिंग टैंकर्स तैनात कर दिए हैं, जो एक लंबी जंग की तैयारी का साफ संकेत देते हैं। एक तरफ जिनेवा में परमाणु कार्यक्रम को लेकर 'सकारात्मक' बातचीत का दावा किया जा रहा है, तो दूसरी तरफ आसमान में गरजते युद्धक विमान ईरान पर दबाव बनाने की 'कैरेट एंड स्टिक' नीति का हिस्सा हैं।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने जिनेवा में अमेरिका के साथ चल रही अप्रत्यक्ष बातचीत के बीच एक बहुत ही भावुक और सीधा बयान दिया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की शंकाओं को दूर करने की कोशिश करते हुए कहा, 'हम किस भाषा में कहें कि हमें परमाणु हथियार नहीं चाहिए, और हम कभी इन्हें नहीं चाहेंगे? अगर दुनिया वास्तव में यह चाहती है कि ईरान के पास न्यूक्लियर वेपन न हों, तो हम उनके किसी भी तरह के 'वेरिफिकेशन' (जांच) के लिए पूरी तरह तैयार हैं।'

पेजेशकियन ने स्पष्ट किया कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण और नागरिक उद्देश्यों (चिकित्सा और तकनीक) के लिए है। उन्होंने इसे एक "राजनीतिक प्रोपेगेंडा" करार दिया कि ईरान बम बनाना चाहता है। राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि वे अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (क्अएअ) के निरीक्षकों को अपने परमाणु केंद्रों की जांच करने की अनुमति देने में कोई संकोच नहीं करेंगे, ताकि दुनिया को उनकी ईमानदारी पर भरोसा हो सके।

राष्ट्रपति पेजेशकियन के बयान के 5 प्रमुख कारण

आर्थिक प्रतिबंधों से मुक्ति की छटपटाहट: ईरान की अर्थव्यवस्था पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण वेंटिलेटर पर है। मुद्रास्फीति और बेरोजगारी ने जनता में भारी असंतोष पैदा कर दिया है। पेजेशकियन जानते हैं कि जब तक परमाणु मुद्दे पर दुनिया को भरोसा नहीं दिलाया जाता, तब तक तेल के व्यापार पर लगी पाबंदियां नहीं हटेंगी।

सम्पादकीय

अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती एआई

एआई कोई दुश्मन नहीं है। यदि इसे एक ईमानदार औजार की तरह जैसे जानकारी खोजने, विश्लेषण करने या भाषा सुधारने के लिए आदि के लिए उपयोग किया जाए, तो यह अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती है। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026: नवाचार से राष्ट्र निर्माण तक आज का समय तकनीक का समय है, या यूँ कहें कि हम तकनीक के युग में सांस ले रहे हैं। यह तकनीक ही है, जो मनुष्य के जीवन को अधिक सुविधाजनक बना रही है, लेकिन इसके साथसाथ हमारी सोच, कार्यशैली और आदतें भी आज बदल रही है। कहना गलत नहीं होगा कि वर्तमान दौर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) इस परिवर्तन का सबसे प्रमुख उदाहरण बनकर उभरी है। तेजी से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच दुनिया भर में आधुनिक तकनीकों के विकास और नवाचार पर विशेष जोर बढ़ा है। आज दुनिया के विभिन्न देश अपनी नीतियों में नई-नई तकनीकों व नवाचारों को शामिल कर अपने देश की विभिन्न पारंपरिक कार्यप्रणालियों को लगातार बदल रहे हैं। विशेष रूप से एआई ने वैश्विक स्तर पर कार्य प्रणाली और मानव भूमिका को गहराई से प्रभावित किया है, इसलिए आज इसे विकास के लिए अनिवार्य और बहुत ही अहम माना जा रहा है। इसी संदर्भ में, नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण एआई शिखर सम्मेलन(इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026; 16 फरवरी से 20 फरवरी 2026 तक) आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य एआई की संभावनाओं, इसकी चुनौतियों, रोजगार पर इसका प्रभाव और आम जीवन में इसके उपयोग को लेकर जागरूकता बढ़ाना है। कहना गलत नहीं होगा कि आज एआई का दायरा स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, कारोबार और रक्षा जैसे क्षेत्रों तक फैल चुका है, जिससे नए अवसर पैदा हुए हैं, लेकिन यह भी कटु सत्य है कि रोजगार पर प्रभाव, जोखिम, डेटा सुरक्षा और पर्यावरणीय असर जैसी चिंताएँ भी इसके कारण सामने आई हैं। विशेष रूप से डेटा सेंटरों में ऊर्जा और पानी की बढ़ती खपत को लेकर प्रश्न उठ रहे हैं। इसलिए एआई आधारित विकास को सफल बनाने के लिए इसके लाभों के साथ-साथ संभावित खतरों के समाधान पर भी समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि नई दिल्ली में भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी 2026 तक इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के आयोजन का उद्घाटन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। यह पाँच दिवसीय कार्यक्रम ग्लोबल साउथ में आयोजित पहला प्रमुख एआई शिखर सम्मेलन माना जा रहा है, जिसमें 300 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं और एआई नीति तथा नवाचार पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। गौरतलब है कि यह समिट भारत मंडपम सहित नई दिल्ली के विभिन्न स्थलों पर आयोजित हो रहा है तथा इसमें 100 से अधिक देशों की भागीदारी है, साथ ही शीर्ष तकनीकी कंपनियों जैसे गूगल और माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी(सीईओ), शोधकर्ता, नीति-निर्माता और कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हो रहे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम के दौरान 500 से अधिक सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जबकि 800 से अधिक प्रदर्शक, स्टार्टअप, शोध संस्थान और राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल इसमें भाग ले रहे हैं। 16-20 फरवरी तक आयोजित यह एआई शिखर सम्मेलन भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआइ) के क्षेत्र में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी शक्ति के रूप में उभर रहा है, जबकि उससे आगे केवल संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन हैं। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी टूल के अनुसार भारत का स्कोर 21.59 है, जबकि अमेरिका का 78.6 और चीन का 36.95 है। इस सूचकांक में भारत कई विकसित देशों जैसे दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन, सिंगापुर, जापान, कनाडा, जर्मनी और फ्रांस से आगे है। भारत वर्तमान में चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के साथसाथ एआई के क्षेत्र में अग्रणी विकासशील देश भी बन चुका है। इसलिए इस स्तर का वैश्विक आयोजन पहली बार किसी विकासशील देश में होना ऐतिहासिक माना जा रहा है।

सम्मेलन में 13 देशों के लगभग 300 पवेलियन वाले एक्सपो का आयोजन भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमता को भी प्रदर्शित करता है।

एआई के दौर में मेक इन इंडिया और अमेरिका फर्स्ट, साझा समृद्धि के लिए एक साझेदारी

(जीएनएस)।

बीते एक दशक में भारत विश्व की तीव्र गति से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में उभरा है। यह विकास-प्रक्रिया संरचनात्मक सुधारों, राजकोषीय सुदृढ़ीकरण, विनियामक शासन में सुधार तथा डिजिटल एवं वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहन देने वाली पहलों से समर्थित रही है, जिन्हें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लागू किया गया। इन उपायों ने व्यापक आर्थिक स्थिरता को सुदृढ़ किया है और भारत की दीर्घकालिक विकास क्षमता का विस्तार किया है।

अनेक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के आकलनों के अनुसार, निरंतर सुधारों की गति और वैश्विक आर्थिक स्थिरता की स्थिति में भारत वर्ष 2030 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की स्थिति में है। नवीनतम आर्थिक सर्वेक्षण भी इस बात पर बल देता है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच सतत विकास बनाए रखने में नीतिगत निरंतरता और संस्थागत सुदृढ़ीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

एक सुदृढ़ घरेलू आर्थिक आधार ने भारत को बाह्य आर्थिक सहभागिता को अधिक रणनीतिक स्पष्टता के साथ आगे बढ़ाने की क्षमता प्रदान की है। सामान्यतः आर्थिक कूटनीति तब अधिक प्रभावी होती है जब वह आंतरिक व्यापक आर्थिक स्थिरता और संस्थागत विश्वसनीयता पर आधारित हो। इसी परिप्रेक्ष्य में, भारत ने पिछले पाँच वर्षों में पंद्रह से अधिक मुक्त व्यापार समझौतों (FTA) तथा व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौतों (CEPA) पर हस्ताक्षर किए हैं या वे वार्ता के चरण में हैं। ये समझौते व्यापार विविधीकरण और आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण की व्यापक रणनीति को प्रतिबिंबित करते हैं।

इन पहलों में भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच विकसित होता व्यापार ढाँचा द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण विकास का प्रतिनिधित्व करता है। यह समझौता पिछले वर्ष फरवरी में जारी संयुक्त नेताओं के वक्तव्य में व्यक्त प्रतिबद्धताओं पर आधारित है, जिसमें दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश प्रवाह को विस्तारित करने की मंशा दोहराई थी। घोषित उद्देश्यों में नवाचार तंत्र को सुदृढ़ करना, लचीली आपूर्ति श्रृंखलाएँ विकसित करना, राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को प्रोत्साहित करना तथा रोजगार सृजन को बढ़ावा देना शामिल था।

यद्यपि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौता अभी अंतिम रूप लेने की प्रक्रिया में है, इसकी प्रारंभिक संरचना से संकेत मिलता है कि यह दीर्घकालिक व्यापारिक विवादों को सुलझाने और द्विपक्षीय वाणिज्य में पूवार्नुमेयता बहाल करने का प्रयास है। इस समझौते को दोनों लोकतांत्रिक देशों के व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के संदर्भ में समझा जाना चाहिए, जहाँ आर्थिक सहयोग तकनीकी, भू-राजनीतिक और सुरक्षा आयामों से भी जुड़ता जा रहा है।

इस समझौते का एक प्रमुख घटक टैरिफ युक्तिकरण और पारस्परिक बाजार पहुंच में संशोधन है। वर्ष 2024 में संयुक्त राज्य अमेरिका को भारत के लगभग 86.35 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात पर इस पुनर्संरचना का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना है। पूर्व में कुछ श्रेणियों के भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत तक शुल्क लगाया जाता था। संशोधित व्यवस्था के अंतर्गत 30.94 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात पर शुल्क 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है, जबकि 10.03 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात को शून्य-शुल्क श्रेणी में स्थानांतरित किया गया है।

अतिरिक्त प्रावधानों के अंतर्गत 1.04 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात-जो मुख्यतः कृषि उत्पाद हैं-पर स्थापित छूट श्रेणियों के तहत शून्य पारस्परिक शुल्क जारी रहेगा। साथ ही, धारा 232 के अंतर्गत (उपयोग-आधारित प्रावधानों के अनुसार) 28.30 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के उत्पादों पर शून्य पारस्परिक शुल्क लागू होगा तथा पूर्व में लगाए गए अतिरिक्त शुल्क समाप्त किए जाएंगे। समष्टिगत रूप से ये उपाय अमेरिकी बाजार में उच्च शुल्क का सामना कर रहे प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में भारतीय निर्यातकों को तुलनात्मक लाभ प्रदान कर सकते हैं, जिससे चयनित क्षेत्रों में मूल्य प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी।

यह समझौता कुछ विशिष्ट वस्तुओं पर चरणबद्ध रूप से शुल्क समाप्ति का प्रावधान करता है। क्रमिक उदारीकरण से घरेलू उत्पादकों को आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन, उत्पादन क्षमता उन्नयन और तकनीकी प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए समय मिलेगा। यह दृष्टिकोण व्यापार-समायोजन सिद्धांतों के अनुरूप है, जो क्षेत्रीय व्यवधानों को कम करने हेतु संक्रमणकालीन संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हैं। तत्काल शुल्क समाप्ति केवल गैर-संवेदनशील उत्पाद श्रेणियों तक सीमित है, जिनमें से अनेक पहले से अन्य व्यापार समझौतों के अंतर्गत उदारीकृत हैं। इससे स्पष्ट होता है कि समझौता उदारीकरण और घरेलू संरक्षण के बीच संतुलित दृष्टिकोण अपनाता है।

व्यापक आर्थिक दृष्टिकोण से यह समझौता अमेरिका के साथ भारत के व्यापार अधिशेष को सुदृढ़ करने में सहायक हो सकता है। हालिया वित्तीय विश्लेषणों के अनुसार, निर्यात विस्तार और आयात लोच के आधार पर यह अधिशेष संभावित रूप से प्रतिवर्ष 90 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो सकता है। तथापि, ऐसे अनुमान वैश्विक मांग, विनिमय दर स्थिरता और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता जैसे कारकों पर निर्भर रहेंगे।

तत्काल व्यापारिक प्रभावों से परे, यह समझौता वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण के व्यापक आयामों को भी प्रभावित करता है। विस्तारित बाजार पहुंच को चयनित घरेलू संरक्षण उपायों के साथ संयोजित कर भारत स्वयं को उच्च-मूल्य विनिर्माण और उभरती प्रौद्योगिकी तंत्रों में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में स्थापित करने का संकेत देता है। इस संदर्भ में भारत की "मेक इन इंडिया" और "आत्मनिर्भर भारत" पहलों तथा अमेरिका की औद्योगिक नीतिगत प्राथमिकताओं के बीच अभिसरण को पूरक आर्थिक राष्ट्रवाद के एक मॉडल के रूप में देखा जा सकता है-जहाँ घरेलू क्षमता निर्माण और रणनीतिक अंतरराष्ट्रीय साझेदारी सह-अस्तित्व में रहते हैं।

महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों के संयुक्त विकास और विनिर्माण में भारत की बढ़ती भूमिका इस व्यापक रणनीतिक साझेदारी के आर्थिक आयाम को और सुदृढ़ करती है। दोनों देशों के बीच आर्थिक पारस्परिकता रक्षा सहयोग, डिजिटल शासन और बहुपक्षीय मंचों (जैसे क्वाड) के साथ भी अंतर्संबद्ध होती जा रही है।

इतिहास वैश्विक व्यापार प्रणालियों में खुलेपन के महत्व को रेखांकित करता है। 1930 के स्मूट-हॉले टैरिफ अधिनियम को अक्सर इस उदाहरण के रूप में उद्धृत किया जाता है कि किस प्रकार संरक्षणवादी नीतियाँ वैश्विक आर्थिक संबंधों को बाधित कर सकती हैं। तत्पश्चात राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट के काल में अमेरिकी नीति-परिवर्तन ने इस तथ्य को स्वीकार किया कि बाधित व्यापार मार्गों को पुनर्स्थापित करना अत्यंत कठिन होता है। ये ऐतिहासिक अनुभव आज भी व्यापार लचीलापन और रणनीतिक परस्पर निर्भरता पर चल रही समकालीन बहसों को प्रभावित करते हैं।

भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका व्यापार समझौता एक संरचित और नियम-आधारित ढाँचे के अंतर्गत आर्थिक सहयोग को संस्थागत रूप देने का प्रयास है। टैरिफ बाधाओं में कमी, क्षेत्रीय एकीकरण को प्रोत्साहन तथा दीर्घकालिक आर्थिक उद्देश्यों के संरेखण के माध्यम से यह समझौता सतत द्विपक्षीय विकास में योगदान दे सकता है। हालांकि, इसका अंतिम प्रभाव क्रियान्वयन तंत्र, क्षेत्रीय अनुक्रियाशीलता और परिवर्तित होती वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों पर निर्भर करेगा।

मल्ल राजवंश के भव्य राजदरबार में विराजेगे बाबा खाटू नरेश

महाराजा अग्रसेन पार्क में 20 फरवरी से लगेगा जमघट म्हारे श्याम का

44वें श्याम निशानोत्सव में जयपुर, कोलकाता एवं रांची के गायक भजन सरिता बहाएंगे

लखनऊ। श्री श्याम ज्योत मंडल की ओर से 44वां श्री श्याम निशानोत्सव ऐशबाग स्थित तिलकनगर के महाराजा अग्रसेन पार्क में धूमधाम से मनाया जाएगा। जमघट म्हारे श्याम का थीम पर आधारित तीन दिवसीय श्याम निशानोत्सव 20 फरवरी से शुरू होगा। श्याम निशानोत्सव के शुरूआती दो दिन नामचीन भजन गायक सुंदर-सुंदर भक्तिमय भजनों की सरिता बहाएंगे और तीसरे दिन सतरंगी ध्वजा शोभायात्रा निकाली जाएगी। 20 फरवरी को जयपुर के संजय पारीक, कुमार नरेंद्र, नवीन शर्मा, रोहित शर्मा, रांची की पूजा पारीक और 21 फरवरी

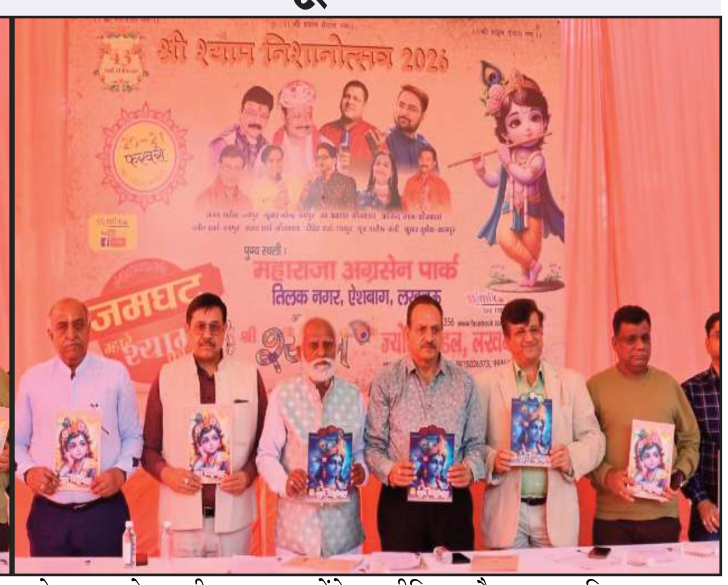

को कोलकाता के संजय शर्मा, लव अग्रवाल, अरविंद सहल एवं कानपुर के कुमार मुकेश बाबा श्याम का गुणगान करेंगे। इस बार श्री श्याम ज्योत मंडल सदस्यगण राजस्थानी पगड़ी में नजर आएगे। इस बात की जानकारी प्रेसवार्ता में मंडल समिति के अध्यक्ष श्रवण कुमार, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र अग्रवाल और मीडिया प्रभारी अनुपम मित्तल ने संयुक्त रूप से दी। संरक्षक भारत भूषण, उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल और सुरेश कंछल ने बताया कि इस बार मल्ल राजवंश के काल की प्रसिद्ध बिष्णुपुर टेराकोटा वाले भव्य पंडाल में बाबा श्याम का राजदरबार सजाया जाएगा। पंडाल की बनावट 'रंगा माटीर बांग्ला' जैसे विषयों से प्रेरित होगी, जहां बंगाल की लाल मिट्टी और प्राचीन मंदिर वास्तुकला को एक आधुनिक संदर्भ में प्रस्तुत किया जाएगा। पंडाल में टेराकोटा नक्काशी का उपयोग किया जाएगा। बाबा का राजदरबार बिष्णुपुर की विशिष्ट 'रासमंच' और 'पंचरत्न' स्थापत्य शैलियों के सूक्ष्म विवरणों पर आधारित है, जो इस संरचना की पिरामिड जैसी बनावट और बहुस्तरीय मीनारों में स्पष्ट रूप से दिखाई देगी। भव्य श्याम दरबार का निर्माण कार्य गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड होल्डर कोलकाता के असीम मात्या करेंगे। टेंट का कार्य राम कृष्ण टेंट एवं अवस्थी लाइट एंड सांउड बाबा के चरणों में अपनी सेवा समर्पित कर रहे है। कानपुर के बाजोरिया जी से श्याम निशान बनाये गए है एवं दिल्ली से सचिन जी खाटू नरेश की छवि लाएंगे। मुकेश अग्रवाल एवं मनीष अग्रवाल ने बताया कि 22फरवरी को श्री श्याम सतरंगी ध्वजा यात्रा तिलकनगर से प्रारंभ होकर बीरबल साहनी मार्ग स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर पर भक्तगण बाबा श्याम को निशान अर्पित करेंगे। निशानोत्सव एवं शोभायात्रा का सजीव प्रसारण सोशल मीडिया चैनल पर किया जाएगा। सचिन और मुकेश ने बताया कि सोमवार 23 फरवरी को बाबा श्याम का निशान लेकर बस से खाटूधाम यात्रा के लिए प्रस्थान करेंगे, जहां बाबा श्याम का निशान चढ़ाया जाएगा। इस प्रेसवार्ता में अध्यक्ष श्रवण अग्रवाल, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र अग्रवाल, संरक्षक भारत भूषण, उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, सुरेश कंछल, सदस्य मुकेश अग्रवाल, विवेक गोयल, योगेंद्र, सचिन, मुकेश, सक्षम, अशोक, मोती कंछल एवं मंडल समिति के सदस्यगण उपस्थित थे।

पीएनबी ने डीएफएस परिसर में सैलरी अकाउंट फैसिलिटेशन कैंप का आयोजन किया

18 फरवरी 2026: सार्वजनिक क्षेत्र में भारत के अग्रणी बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) द्वारा वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय, दिल्ली में सैलरी अकाउंट फैसिलिटेशन कैंप का आयोजन किया। डीएफएस की पहल पर इस कैंप का उद्देश्य केंद्र सरकार के कर्मचारियों को उनके कार्यस्थल पर ही निर्बाध बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना है।

उपस्थित लोगों को माननीय डीएफएस सचिव श्री एम. नागराजू और पीएनबी के एमडी एवं सीईओ श्री अशोक चंद्र ने संबोधित किया। इस अवसर पर डीएफएस की संयुक्त सचिव श्रीमती शालिनी पंडित, डीएफएस के संयुक्त सचिव श्री मनोज मुत्ताथिल अय्यप्पन, डीएफएस के डीडीजी श्री चंद्रदीप कुमार झा,

पीएनबी के कार्यपालक निदेशक श्री बिभु प्रसाद महापात्र एवं डीएफएस सहित बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी की भी गरिमामयी उपस्थित रही ।

डीएफएस की पहल के तहत सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए विशेष 'कस्टमाइज्ड सैलरी पैकेज' पेश किए हैं, जो केंद्र सरकार के कर्मचारियों को वित्तीय सुविधा और पारिवारिक सुरक्षा दोनों प्रदान करते हैं।

इस अवसर पर वित्तीय सेवा विभाग के सचिव श्री एम. नागराजू ने कहा कि यह पहल केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों तक वित्तीय सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने एकीकृत बैंकिंग समाधान विकसित करने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के समन्वित प्रयासों की सराहना की और केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों से शिविर में सक्रिय रूप से भाग लेने और वेतन खाता पैकेजों का लाभ उठाने का आग्रह किया। उपस्थित समूह को संबोधित करते हुए पीएनबी के एमडी एवं सीईओ श्री अशोक चंद्र ने कहा, " डीएफएस की पहल पर सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के द्वारकव्यापक 'सैलरी अकाउंट पैकेज' पेश किया जाना हर्ष का विषय है । इसे सरकारी कर्मचारियों को बैंकिंग सुविधा, वित्तीय सुरक्षा, बीमा संरक्षण और मूल्य वर्धित सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।

अक्षय कुमार कहते हैं, 'मेरी पत्नी लेखिका हैं, लेकिन मैंने कभी कोई किताब नहीं पड़ी!'

मुंबईः व्हील ऑफ फॉर्च्यून का आने वाला एपिसोड सिर्फ. रोमांचक स्पिन्स ही नहीं, बल्कि दिल छू लेने वाले और मजेदार लम्हे भी लेकर आ रहा है। शो के दौरान अक्षय कुमार ने अपने पढ़ने की आदतों पर एक चौंकाने वाला खुलासा किया, जब उनकी बातचीत कंटेस्टेंट यश से हुई। अपना परिचय देते हुए यश ने अपनी ज़िंदगी को एक दिलचस्प अंदाज में समझाया। उन्होंने कहा, ह्लमेरी लाइफ भी व्हील ऑफ फॉर्च्यून के पहिए जैसी है, पहिए का कांटा कहाँ रुकेगा मुझे भी नहीं पता ह्व यश ने बताया कि वह पढ़ाई और पेशे से मरीन इंजीनियर हैं, लेकिन पिछले 10 सालों से कार्टून स्क्रिप्ट लिख रहे हैं और मुंबई इंडियंस के लिए एंकर भी हैं। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने कई कार्टून शोज के लिए लिखा है और रोहित शेट्टी की तीन प्रोजेक्ट्स— गोलमाल, लिटिल सिंघम और सिम्बा —के लिए भी स्क्रिप्ट लिखी है। मजाकिया अंदाज में उन्होंने जोड़ा कि अब वह सूर्यवंशी के लिए भी लिखने का इंतजार कर रहे हैं

ह्लहेलिकॉप्टर पकड़ के सूर्यवंशी की एंट्री हो, मैं उसके लिए भी लिखूँ ह्व यश की जर्नी से प्रभावित होकर अक्षय ने कहा, ह्लतो मतलब आप एक राइटर हैं ह्व तभी बातचीत ने अचानक नया मोड़ लिया। अक्षय ने दिल खोलकर स्वीकार किया, ह्लआपको पता है मैंने ज़िंदगी में आज तक एक भी किताब नहीं पढ़ी है। मैं चेहरे पढ़ता हूँ। सच बताऊँ, मेरी पत्नी राइटर हैं और मुझे लगता है वो दिन में एक किताब जरूर पढ़ती हैं। बाय गॉड, मैंने एक भी किताब नहीं पढ़ी। मैंने सिर्फ. चेहरे पढ़े हैं। सच कहता हूँ, चेहरे से बढ़िया किताब कोई नहीं होती ह्व उनकी ईमानदार और मजेदार बात सुनकर सब हँसी से लोटपोट हो गए और शो में एक और यादगार पल जुड़ गया। देखिए व्हील ऑफ फॉर्च्यून, अक्षय कुमार के साथ, हर सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे सिर्फ. सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर

गाजियाबाद से बांदा तक, उत्तर प्रदेश के 254 बंदी इस साल दे रहे बोर्ड एग्जाम

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की जेलों से इस बार एक ऐसी तस्वीर सामने आई है जो समाज के लिए उम्मीद की नई किरण पेश करती है। अपराध की दुनिया को पीछे छोड़, सुधार की राह पर चलते हुए इस साल राज्य की विभिन्न जेलों में बंद 254 कैदी यूपी बोर्ड की परीक्षाओं में शामिल होने जा रहे हैं।

जेल प्रशासन की इस अनूठी पहल ने उन कैदियों को दोबारा किताबों से जुड़ने का मौका दिया है, जिन्होंने सालों पहले अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी थी। जेल की चहारदीवारी के भीतर अब केवल सजा नहीं, बल्कि शिक्षा का भी संचार हो रहा है। प्रशासन इसे "सुधार की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम" मान रहा है, जो कैदियों के मानसिक परिवर्तन और उनके पुनर्वास में मील का पत्थर साबित होगा।

परीक्षा के आंकड़े, कहां से कितने परीक्षार्थी ?

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस शैक्षणिक सत्र में हाई स्कूल (कक्षा 10) के लिए 96 कैदी और इंटरमीडिएट (कक्षा 12) के लिए 158 कैदी पंजीकृत हुए हैं।

विभिन्न जिलों की भागीदारी इस

प्रकार है-

जेल का नाम	10वीं के परीक्षार्थी	12वीं के परीक्षार्थी	कुल
1. गाजियाबाद	20	43	63
2 बरेली	23	29	52
3 लखनऊ	21	18	39
4 वाराणसी	12	11	23
5 गोरखपुर	2	19	21
6 फिरोजाबाद	10	18	28
7 बांदा	-	3	3

बैरकों में बदला माहौल, जेल अब बनीं अध्ययन केंद्र

जेल अधिकारियों के मुताबिक, पिछले कुछ सालों में जेलों के भीतर शैक्षणिक वातावरण को प्राथमिकता दी गई है। अब जेलों में केवल बैरक नहीं, बल्कि विशेष अध्ययन केंद्र संचालित हो रहे हैं। शिक्षा को सुलभ बनाने के लिए ये व्यवस्थाएं की गई हैं-

कोचिंग और मुफ्त सामग्रीः कैदियों को विषयवार कोचिंग दी जा रही है। साथ ही, किताबें और स्टेशनरी मुफ्त उपलब्ध कराई जाती है।

पीयर लर्निंगः जेल में बंद उच्च शिक्षित कैदी अपने सह-कैदियों को पढ़ाने में शिक्षक की भूमिका निभा रहे हैं।

आधुनिक क्लासरूमः कई जेलों में समर्पित क्लासरूम और लाइब्रेरी बनाई गई हैं।

काउंसलिंगः नियमित प्रेरक सत्र आयोजित किए जाते हैं ताकि कैदियों का नजरिया सकारात्मक हो सके।

अपराध से मुक्ति और हुनर का साथ

वरिष्ठ अधिकारियों का मानना है कि शिक्षा कैदियों में आत्मविश्वास भरती है। रिहाई के बाद शिक्षित व्यक्ति के पास रोजगार के बेहतर अवसर होते हैं, जिससे उनके दोबारा अपराध की ओर मुड़ने की संभावना नगण्य हो जाती है।

पढ़ाई के साथ-साथ जेलों में व्यावसायिक प्रशिक्षण पर भी जोर दिया जा रहा है-

- बढ़ईगीरी और सिलाई
- हस्तशिल्प और कलाकृतियां
- फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स

पिछला ट्रैक रिकॉर्ड, 2025 में कितनों को मिली सफलता

कैदियों का पिछला प्रदर्शन यह साबित करता है कि वे पढ़ाई को लेकर गंभीर हैं। साल 2025 के आंकड़ों पर नजर डालें-

कुल 199 कैदियों ने परीक्षा दी थी।

182 कैदी सफल हुए, जिसमें कुल पास प्रतिशत 91% रहा।

10वीं का परिणाम 96.81% और 12वीं का 86.67% रहा था।

इस साल परीक्षार्थियों की संख्या में भारी वृद्धि यह दशार्ती है कि जेल अब केवल दंड का स्थान नहीं, बल्कि सुधार का केंद्र बन चुकी हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

अंजुमन-ए-गुंचा-ए-मेहंदीया की जानिब से आफताब-ए-शरीयत को खिराज-ए-तहसीन

लखनऊ। आज की शाम लखनऊ की मजहबी और इल्मी तारीख में एक और सुनहरे पन्ने के रूप में दर्ज हो गई। अंजुमन-ए-गुंचा-ए-मेहंदीया के एक प्रतिनिधिमंडल ने जनाब आफताब-ए-शरीयत मौलाना कल्बे जवाद साहब (इमाम-ए-जुमा) से मुलाकात की और उन्हें 'इमाम खुमैनी अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार' से नवाजे जाने पर दिली मुबारकबाद पेश की।

मौलाना कल्बे जवाद साहब को मिला यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान न केवल उनकी बरसों की दीनी व समाजी खिदमात का एतराफ (स्वीकार्यता) है, बल्कि यह पूरे मुल्क और कौम के लिए एक मकाम-ए-फख है।

इस मसर्रत भरे मौके पर अंजुमन के अराकीन ने मौलाना की खिदमत में फूलों का नजराना और दुआएं पेश कीं। इस खास मुलाकात में अंजुमन के अहम ओहदेदारान शामिल रहे। जनाब नुसरत हुसैन साहब (जनरल सेक्रेटरी, अंजुमन-ए-गुंचा-ए-मेहंदीया) जनाब रिजवान हसन साहब (साहबे बयाज) जनाब राजू साहब, तथा अंजुमन के अन्य सक्रिय और सम्मानित मेम्बरान।

मुलाकात के दौरान अंजुमन के जनरल सेक्रेटरी जनाब नुसरत हुसैन साहब ने कहा कि मौलाना कल्बे जवाद साहब की शख्सियत हमेशा से मिल्लत के लिए एक रहनुमा की रही है। इमाम खुमैनी जैसे अजीम रहबर के नाम से जुड़ा यह पुरस्कार उनकी आलमी (वैश्विक) साख को और मजबूत करता है।

यह पुरस्कार उस इल्म और तकवे (परहेजगारी) का सम्मान है, जो मौलाना ने ताउम्र समाज की बेहतरी के लिए इस्तेमाल किया है।

अंजुमन-ए-गुंचा-ए-मेहंदीया मौलाना की सेहत और दराजी-ए-उम्र की दुआ करती है और उम्मीद करती है कि उनका साया कौम पर हमेशा सलामत रहे।

वक्फ की संपत्ति बताकर जमीन कब्जाने का प्रयास, धार्मिक उन्माद फैलाने की कोशिश में FIR दर्ज

लखनऊ। राजधानी के सआदतगंज थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक हिंदू परिवार की जमीन को वक्फ की संपत्ति बताकर कब्जाने की कोशिश की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दो नामजद और कई अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर (FIR) दर्ज कर ली है।

रुस्तम नगर निवासी पीड़ित राम किशोर मौर्या ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मुस्लिम बाहुल्य इलाके में उनका इकलौता हिंदू परिवार रहता है। इसी का फायदा उठाकर दबंग उनकी जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं। आरोप है कि 12 फरवरी की सुबह करीब 4 बजे अजहर नवाब, सलमान कटोरी और उनके साथियों ने पीड़ित के घर की बाउंड्री वॉल ढहा दी।

राम किशोर के मुताबिक, इस जमीन को लेकर मोहम्मद हाशिम नामक व्यक्ति ने पहले एक फर्जी सिविल वाद भी दाखिल किया था, जिसे न्यायालय ने नवंबर 2025 में ही निरस्त कर दिया था। कोर्ट से हारने के बाद अब धार्मिक मुद्दा बनाकर और डरा-धमकाकर जमीन हड़पने की साजिश रची जा रही है।

सआदतगंज पुलिस ने बताया कि पीड़ित की तहरीर और बाउंड्री वाल गिराने की वीडियो रिकॉर्डिंग के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। वीडियो के जरिए अन्य आरोपियों की शिनाख्त की जा रही है और जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

परिवहन निगम की जनता सेवा रोडवेज बस नारियल लड्डू धूप दीप पुष्प और गंगाजल से पूजन और उद्घाटन कर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

(जीएनएस)। कौशांबी

गत 13 फरवरी शुक्रवार को सिराथू ब्लॉक के सीमावर्ती गांवों के हजारों लोगों के हित मे ग्राम अफजलपुरवारी बाजार (ब्लॉक सिराथू) से उदहिन चौराहा, बंबूपुर तुलसीपुर देवखरपुर मंझनपुर होकर प्रयागराज तक के लिए चलने वाली परिवहन निगम की जनता सेवा रोडवेज बस को मेरे द्वारा नारियल लड्डू धूप दीप पुष्प और गंगाजल से पूजन और उद्घाटन कर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

पिछले करीब तीन सालों से दर्जनों बार समर्थ किसान पार्टी के तत्वावधान में मेरी अगुवाई में अफजलपुरवारी से इस बस के चालू कराए जाने हेतु लगातार जमीनी संघर्ष जारी था। अनेकों अनेक बार क्षेत्रीय प्रबंधक परिवहन कार्यालय प्रयागराज जिलाधिकारी कौशांबी एवं मंझनपुर रोडवेज डिपो कार्यालय समेत जिला पंचायत सदन की बैठक में मेरे द्वारा यह मुद्दा उठाया जाता रहा है।

मैं अपने सम्मानित क्षेत्रीय जनता की सेवा में इस बस को आज झंडी दिखाकर रवाना किया हूं।

भाजपा कार्यालय में प्रशिक्षण महाअभियान की हुई बैठक

(जीएनएस)।

असोथर। फतेहपुर के जेल रोड स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में बुधवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की कार्ययोजना बैठक आयोजित हुई। इसमें मुख्य वक्त के रूप में जिला प्रभारी पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना उपाध्याय उपस्थित रहीं।

उन्होंने अपने सम्बोधन में उपस्थित पदाधिकारियों को संगठनात्मक संरचना में अपनी सकारात्मक सहभागिता सुनिश्चित करने व अन्य जरूरी दिशा-निर्देश तथा पार्टी की संकल्पना, वैचारिक अधीष्ठान, पार्टी कार्यपद्धति, कार्य विस्तार की दृष्टि, बूथ प्रबंधन, सहित विषयों को आगामी मंडल प्रशिक्षण महाअभियान में रखने की तैयारी पर चर्चा की। जिलाध्यक्ष अन्नू श्रीवास्तव ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम मनसा वाचा कर्मणा संगठन की मजबूती को लेकर दिन रात मेहनत करते हैं इसकी अनवरतता में कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने मंडल प्रशिक्षण महाअभियान की तैयारियों पर कार्यशाला में मंडल अध्यक्ष व मंडल टोलियों को जरूरी बिन्दुओं पर प्रकाश डाला गया। प्रशिक्षण महाअभियान के जिला संयोजक पुष्पराज पटेल, सह संयोजक अपर्णा सिंह गौतम व पंकज त्रिवेदी के साथ ही शरद श्रीवास्तव द्वारा जिम्मेदारियों को निभाया। प्रशिक्षण के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति,पूर्व मंत्री रणवेंन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व विधायक विक्रम सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष, मनोज शुक्ला, रमाकांत त्रिपाठी, दिनेश बाजपेई, आशीष मिश्रा, उदय लोधी, नीरज सिंह, चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, अर्चना त्रिपाठी, शैलेन्द्र रघुवंशी, रवींद्र पाल सिंह, कुलदीप भदौरिया, मनोज मिश्रा, प्रवीण सिंह, सुमित द्विवेदी, विक्रम चन्देल, अभिषेक श्रीवास्तव, सहित जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल टोली, मंडल प्रभारी, ब्लाक प्रमुख, निकाय अध्यक्ष, मोर्चा जिलाध्यक्ष व महामंत्री व विभागों तथा प्रकोष्ठों के जिला संयोजक उपस्थित रहे।

तहसील मंझनपुर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर हेतु प्री कैम्प का आयोजन सम्पन्न, 421 लोग हुए लाभान्वित

कौशाम्बी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के आदेशानुसार एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कौशाम्बी के तत्वावधान में जिले के नागरिकों को विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बारे में जागरूक करने, सशक्तीकरण प्रदान करने तथा केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा निर्बल एवं निर्धन वर्ग, दिव्यांगों, बच्चों, महिलाओं, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के लोगों के लिए संबंधित विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए पात्र व्यक्तियों को चिन्हित तथा लाभान्वित किए जाने के उद्देश्य से 17 फरवरी, 2026 को तहसील मंझनपुर परिसर में सुबह 10:00बजे से अपरान्ह 3:00बजे तक प्री कैम्प का आयोजन किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कौशाम्बी की सचिव आस्था मिश्रा ने बताया कि 22 फरवरी 2026 को जनपद न्यायालय परिसर में आयोजित होने वाले मेगा शिविर से पूर्व जनपद की सभी तहसीलो में प्री-कैंप का आयोजन कर इन कैंपों के माध्यम से सरकार की कल्याणकारी योजनाओं हेतु जिले के सभी पात्र व्यक्तियों को चिन्हित करने और विभिन्न सुविधाओं से लाभान्वित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत तहसील मंझनपुर परिसर में आज को प्री कैंप का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में नागरिक हुए शामिल और राज्य व केन्द्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए लाभान्वित हुए।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने तहसील मंझनपुर पहुंचकर किया आकस्मिक निरीक्षण और कैम्प में आए हुए नागरिकों से बातचीत कर उनको होने वाली परेशानियों की जानकारी ली और संबंधित विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी मंझनपुर ए पी वर्मा और तहसीलदार मंझनपुर सिद्धांत कुमार मौजूद रहे। इस दौरान तहसील परिसर में वृक्षारोपण भी किया।चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल अमित कुमार मिश्रा ने विभिन्न विभागों के स्टालों पर जाकर लाभार्थियों से भी बात चीत की और जानकारी ली।

प्री कैम्प में सम्मिलित विभागों में समाज कल्याण विभाग, दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग महिला एवं बाल कल्याण विभाग, शिक्षा बेसिक माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा, कृषि विभाग, जिला विभाग, पंचायती राज विभाग, लघु कुटीर उद्योग विभाग, कौशल विभाग, डेयरी विकास विभाग, पशुपालक विभाग, दुग्ध विभाग , मत्स्य पालन विभाग, औद्योगिक विभाग, श्रम विभाग, युवा कल्याण विभाग, पुलिस विभाग ग्रामीण विभाग, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, आवास एवं नगर विकास विभाग, बीमा जीवन पशु एवं फसल बीमा, महिला एवं बाल कल्याण विभाग, वन विभाग, डाक विभाग, राजकीय औद्योगिक एवं तकनीकी संस्थान, डूडा, नगर पालिका परिषद , नवीन एवं नवीनीकरण ऊर्जा विकास प्राधिकरण, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, विद्युत विस्तारण विभाग, खाद्य सुरक्षा एवं रसद विभाग ने कैम्प में भाग लिया और जरूरतमंद लोगों को जानकारी एवं 421 लोगों को लाभ प्रदान किया गया।जल शक्ति विभाग, बैंक सहायता ऋण योजनाएं, संस्कृत विभाग, सूचना एवं जन संपर्क विभाग कैम्प में उपस्थित नहीं हुए जिसको लेकर सचिव ने आपति जाहिर की। चीफ लीगल एड डिफेन्स काउंसिल अमित कुमार मिश्र, लीगल एड डिफेंस काउंसिल अंकित कुमार, पैनल अधिवक्ता दया शंकर त्रिपाठी, मध्यस्थ अधिवक्ता मनदीप अवस्थी एवं देवशरण त्रिपाठी

पराविधिक स्वयंसेवकगण ममता दिवाकर, अंजना मिश्रा, मनीषा दिवाकर, अर्चना पाल, संदीप सरोज, अमरदीप दिवाकर एवं बड़े लाल सहित तहसील के अधिकारी-कर्मचारियों ने इस कैम्प के आयोजन को सफल बनाने हेतु अपना सहयोग प्रदान किया।

*जिला संवाददाता मोहम्मद नसीम कौशांबी

समय से प्रवेश पत्र न मिलने पर छूटी छात्रा की हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा

(जीएनएस)।

खखरेरू। धाता विकास खंड के मुबारकपुर गेरिया गांव स्थित एक विद्यालय का समय से प्रवेश पत्र न मिलने पर हाईस्कूल की एक छात्रा की बोर्ड परीक्षा छूट गई। छात्रा ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

यशवंत की पुत्री नेहा देवी ने बताया कि वह मुबारकपुर गेरिया स्थित अग्रहरि इंटर कॉलेज कक्षा 10 की छात्रा है। उसका आरोप है कि विद्यालय प्रशासन ने फीस समय पर जमा न होने का हवाला देकर उसे समय से प्रवेश पत्र नहीं दिया। बुधवार से उसकी परीक्षा होनी थी, सुबह वह विद्यालय पहुंचकर प्रवेश पत्र की गुहार लगाई तो उसे करीब साढ़े दस बजे प्रवेश पत्र दिया गया, जबकि प्रथम पाली की परीक्षा 11 बजे समाप्त हो जाती है। वह प्रवेश पत्र लेकर परीक्षा केंद्र पहुंची, लेकिन देरी के कारण उसे परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं मिली। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेश कुमार गुप्ता ने बताया कि प्रवेश पत्र लेने छात्रा देर से पहुंची थी, फीस के कारण प्रवेश पत्र रोके जाने का आरोप निराधार है।

हैदराबाद के इन इलाकों में पानी की भारी किल्लत, इस वजह से जारी हुआ वॉटर कट अलर्ट

(जीएनएस)।

हैदराबाद के कई इलाकों में बुधवार (18 फरवरी 2026) को लोगों को पानी की भारी कटौती का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार दरमियानी रात करीब 2:40 बजे मणिकोंडा के पास नाकुलम्मा मंदिर के पास 1,200 मिमी व्यास वाली मुख्य पाइपलाइन अचानक फट गई। इसकी वजह से पानी की भारी किल्लत हो गई है। यह बड़ी आपदा सुबह के समय सामने आई और आसपास के कई क्षेत्रों में पानी की सप्लाई ठप हो गई।

हैदराबाद में सार्वजनिक जल आपूर्ति और सीवर बोर्ड हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वॉटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। बोर्ड ने बताया कि इस मुख्य पाइपलाइन गहरे दबाव के कारण अचानक टूट गया। इससे दबाव घट गया और वाटर सप्लाई प्रभावित हुई।

- HMWSSB के वरिष्ठ इंजीनियरों ने बताया कि मरम्मत कार्य में तेजी से जुटे हुए हैं और बुधवार (18 फरवरी) शाम 7:00 बजे तक मरम्मत का काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

- इसके बाद चरणबद्ध तरीके से क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति बहाल की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि पाइपलाइन का यह हिस्सा शहर के जल वितरण नेटवर्क का एक अहम हिस्सा है।

- इस पाइपलाइन में आई रुकावट की वजह से कई आवासीय और व्यावसायिक इलाकों में पानी की कमी आ गई।

- गांडीपेट, कोकापेट, नरसिंगी, मनचिरेवुला, पुप्पलगुडा, खानापुर, मणिकोंडा, शेखपेट और बोजागुट्टा रिजर्ववेयर कमांड क्षेत्र प्रभावित इलाकों में शामिल हैं।

हाल ही में 11 और 12 फरवरी को भी मंजिरा फेज-2 पाइपलाइन के मरम्मत कार्य के कारण करीब 40 घंटे का बड़ा वॉटर कट हुआ था, जो अब समाप्त हो चुका है। अब दूसरी पाइपलाइन में टूटने की वजह से फिर से आपूर्ति बाधित होने से नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

HMWSSB ने की नागरिकों से अपील

हालांकि, HMWSSB ने प्रभावित इलाकों के निवासियों को राहत देने के लिए टैंकर सेवाएं तैनात करने के निर्देश दिए हैं। जो लोग पानी की आपूर्ति के इंतजार में हैं, वे टैंकर मंगवा सकते हैं और बोर्ड द्वारा उनको प्राथमिकता दी जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि मरम्मत कार्य के पूरा होने के बाद स्थिति जल्द सामान्य हो जाएगी और सख्त मॉनिटरिंग के साथ पानी की सप्लाई फिर से नियमित की जाएगी। नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे इस समय पानी का इस्तेमाल सोच-समझकर करें और जरूरत से अधिक पानी की बबार्दी से बचें।

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री सोहन लाल श्री माली का खखरेरू में भव्य स्वागत

खखरेरू/फतेहपुर नगर पंचायत खखरेरू के वार्ड संख्या 4 जोधा सिंह नगर (सलवन) में उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री माननीय श्री सोहन लाल श्री माली जी का औपचारिक आगमन हुआ। मंत्री जी के आगमन को लेकर वार्डवासियों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

मंत्री जी के पहुंचते ही स्थानीय लोगों ने पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर उनका भव्य स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम में क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों एवं युवाओं की बड़ी संख्या उपस्थित रही। पूरे कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

अपने संबोधन में मंत्री श्री माली ने प्रदेश में संचालित डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों एवं विकास योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार समाज के हर वर्ग, विशेषकर पिछड़े वर्ग के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग भी सरकार की मंशा के अनुरूप पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे आवास, शौचालय, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि,

स्वरोजगार योजनाएं एवं छात्रवृत्ति योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना है।

मंत्री जी ने वार्डवासियों से संवाद करते हुए उनकी समस्याएं भी सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा ही सरकार की प्राथमिकता है और विकास कार्यों में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस अवसर पर नंद राज मिश्र, धीरेन्द्र मिश्रा, हिमांशु त्रिपाठी, अशोक द्विवेदी, रामबिलाश मिश्रा, बाबू तिवारी, विकास, समीर, प्रिंशु, मनोज सहित सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने मंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्र के विकास में सहयोग की अपेक्षा जताई।

नाबालिक बालिका को भगा ले जाने वाले नाबालिक बालक को चरवा पुलिस ने पुलिस अभिरक्षा में लिया

नाबालिक बालिकाओं के साथ हम उम्र के नाबालिक बालकों द्वारा रेप किए जाने की घटनाएं तेजी से बढ़ी है

(जीएनएस)।

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र से 31 दिसंबर 2025 को एक नाबालिक बालिका को नाबालिक युवक शादी का झांसा देकर बहला फुसलाकर भगा ले गया दोनों प्रेमी युगल की तरह घर छोड़कर फरार हो गए जब बालिका के परिवार के लोगों को जानकारी हुई तो परेशान हो गए मामले की सूचना उन्होंने थाना पुलिस को दिया बालिका और बालक दोनों नाबालिक थे पुलिस ने दोनों की खोज शुरू की नाबालिग बालक ने नाबालिक बालिका के साथ शादी के नाम पर रेप भी किया पुलिस ने दोनों को बरामद कर लिया आरोप है कि नाबालिग बालक के साथियों ने भी नाबालिग बालिका के साथ रेप किया थाना चरवा पर सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत हुआ उपरोक्त क्रम में दिनांक 17.02.2026 को कार्यवाही करते हुए मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित नाबालिक बालक को थाना पुलिस ने नियमानुसार पुलिस अभिरक्षा में लिया विधिक कार्यवाही के पश्चात नाबालिग बालक को न्यायालय किशोर न्याय बोर्ड भेजा गया नाबालिक बालिकाओं के साथ हम उम्र के नाबालिक बालकों द्वारा रेप किए जाने की घटनाएं तेजी से बढ़ी है

एलडीए का अवैध निमार्णों पर कड़ा प्रहार, अमीनाबाद और हुसैनगंज में दो परिसर सील

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी में अवैध और अनधिकृत निमार्णों के विरुद्ध लखनऊ विकास प्राधिकरण (छऊअ) का अभियान निरंतर जारी है। इसी क्रम में आज, 18 फरवरी 2026 को प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने शहर के दो प्रमुख क्षेत्रों हुसैनगंज और अमीनाबाद में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से निर्मित किए जा रहे परिसरों को पूरी तरह सील कर दिया।

प्राधिकरण के विहित प्राधिकारी द्वारा 24 जनवरी 2024 को जारी सीलिंग आदेशों के अनुपालन में, आज हुसैनगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत बिहारी लाल मार्ग, क्ले स्क्वायर पर बड़ी कार्रवाई की गई। यहाँ श्री विक्की व अन्य द्वारा किए जा रहे अवैध अनाधिकृत निर्माण को प्रवर्तन टीम ने पुलिस बल के सहयोग से सील कर दिया।

वहीं दूसरी ओर अमीनाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत गौतम बुद्ध मार्ग विद्यांत कॉलेज के पास स्थित भूखंड संख्या-39 पर भी प्राधिकरण की टीम ने छापेमारी की। यहाँ श्री फैजान व अन्य द्वारा नियमों को ताक पर रखकर किए जा रहे निर्माण कार्य पर रोक लगाते हुए परिसर को कुर्क सील कर दिया गया।

यह पूरी कार्रवाई उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम-1973 की धारा-28(क) के अंतर्गत की गई। इस अभियान का नेतृत्व सहायक अभियंता प्रवर्तन जोन-6, सतीश यादव ने किया। कार्रवाई के दौरान अवर अभियंता सुनील कुमार और सहायक अभियंता समेत प्राधिकरण का भारी पुलिस बल और स्टाफ मौके पर मौजूद रहा, ताकि किसी भी प्रकार के विरोध की स्थिति से निपटा जा सके।

एलडीए अधिकारियों के अनुसार शहर में बिना मानचित्र स्वीकृत कराए या स्वीकृत मानचित्र के विपरीत किए जा रहे किसी भी निर्माण को बख्शा नहीं जाएगा। आने वाले दिनों में जोन-6 के अन्य अवैध निमार्णों पर भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई की योजना है।

रमजान के पाक महीने के लिए रोजेदरों, जरूरतमंदों को राहत

पीस एजुकेशन चार्टर्ड ट्रस्ट के मुख्य संरक्षक और सलाहकार जनाब खालिद इस्लाम साहब के सहयोग से रमजान के पाक महीने में रोजेदारों और जरूरतमंदों को रमजान किट का वितरण किया गया। जरूरतमंद लोगों ने आकर किट प्राप्त की, जिससे उन्हें रमजान के महीने में राहत मिली।

इस अवसर पर ट्रस्ट ने खालिद इस्लाम साहब को उनके इस नेक काम के लिए बहुत-बहुत मुबारकबाद दी गई। ट्रस्ट के इस प्रयास से जरूरतमंदों को मदद मिली और उन्हें रमजान के महीने में सहारा मिला।

इस वितरण कार्यक्रम में जरूरतमंदों को रमजान किट प्रदान की गई, जिसमें आवश्यक वस्तुएं शामिल थीं। इस मौके पर ट्रस्ट के सदर मुर्तजा अली, अमीर किदवई, तंजीम अप्सर जाफरी साहब,ओसामा रावत साहब, हलीमा अजीम,नईम,महफूज अहमद साहब, अहमद अंसारी साहब, बाकी सारे लोगों का जोड़ दीजिएऔर कई सम्मानित व्यक्ति उपस्थित रहे।

डीआईजी ने किया थाना हाईवे का वार्षिक निरीक्षण

साफ-सफाई, रख-रखाव और नवनिर्माण कार्य की तेजी पर थाना प्रभारी को दी शाबाशी

-चौकीदारों को उपहार किए वितरित

-जनता के साथ मित्रवत व्यवहार रखने पर दिया जोर

मथुरा (जीएनएस)।

डीआईजी आगरा परिक्षेत्र ने थाना हाईवे का गहनता से वार्षिक निरीक्षण करते हुए थाना परिसर का भी निरीक्षण किया। डीआईजी को निरीक्षण में सभी कार्य संतोषजनक मिलने के बाद हाईवे पुलिस ने राहत की सांस ली है। वार्षिक निरीक्षण से पहले सम्पूर्ण थाना परिसर को दुल्हन की सजाकर तैयार कर दिया था। जानकारी के अनुसार डीआईजी आगरा परिक्षेत्र शैलेश पांडेय, थाना हाईवे का वार्षिक निरीक्षण करने के लिए पहुंचे। डीआईजी के पहुंचने पर सर्वप्रथम पुलिसकर्मियों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सलामी दी। इसके बाद डीआईजी शैलेश पांडेय ने थाना हाईवे का वार्षिक निरीक्षण करते हुए थाना

कार्यालय, अभिलेखों, मालखाना, हवालात, शस्त्रागार, महिला हेल्प डेस्क, मिशन शक्ति केन्द्र, सीसीटीएनएस कक्ष और बैरक की साफ-सफाई का बारीकी से निरीक्षण किया। इसी के साथ उन्होंने लंबित विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए शीघ्र उनका निस्तारण करने, अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने, बीट पुलिसिंग को प्रभावी बनाने, हिस्ट्रीशीटरों पर निगरानी रखने के साथ ही संवेदनशील स्थलों पर नियमित गश्त सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी के साथ डीआईजी शैलेश पांडेय ने ग्राम चौकीदारों के साथ बैठक करते हुए उनके क्षेत्र के बारे चर्चा की और चौकीदारों को उपहार वितरित किए।इसीक्रम में उन्होंने निरीक्षण के बाद थाने में तैनात पुलिसकर्मियों के साथ बैठक करते हुए अनुशासन रखने, जनसुनवाई की गुणवत्ता एवं जनता के साथ शालीन व्यवहार बनाए रखने पर विशेष जोर दिया, जिससे की लोगों के बीच पुलिस की छवि बेहतर हो और जनता के लोग पुलिस को अपराधियों की सूचना देने में भी संकोच न करें। इसके बाद डीआईजी श्री पांडेय ने थाना कार्यालय के नवनिर्माण का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण में सभी चीजें ठीक पाए जाने पर उन्होंने थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह की पीठ थपथपाते हुए साफ-सफाई और रख-रखाव की प्रशंसा की। इस मौके पर एसएसपी श्लोक कुमार, एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह, एसपी ट्रैफिक मनोज कुमार, सीओ सिटी आईपीएस आशना चौधरी, एएसपी जयविन्द्र गुप्ता, सीओ रिफाइनरी अनिल कपरवान, थाना प्रभारी हाईवे शैलेन्द्र सिंह, थाना प्रभारी रिफाइनरी अजय कौशल, थाना प्रभारी फरह छोटेलाल, थाना हाईवे के इंस्पेक्टर क्राइम प्रमोद कुमार, एसएसआई ओमवीर छौंकर, चौकी प्रभारी तारसी नितिन राठी, चौकी प्रभारी मंडी समिति चन्द्रवीर सिंह, चौकी प्रभारी बालाजीपुरम अंकित तोमर, चौकी प्रभारी राधापुरम एस्टेट रोहन कुचालिया और चौकी प्रभारी सतोहा विनित चौधरी समेत अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

स्वॉट टीम और मगोर्रा पुलिस ने दबोचा अन्तर्राज्यीय तस्कर

भारी मात्रा में गांजा की खेप हुई बरामद

मथुरा (जीएनएस)।

थाना मगोर्रा क्षेत्र स्थित कुम्हेर रोड़ से स्वॉट टीम और मगोर्रा पुलिस ने एक अन्तर्राज्यीय मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पकड़े गए तस्कर के कब्जे से भारी मात्रा में गांजा की खेप बरामद हुई है। जानकारी के अनुसार एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन में स्वॉट टीम प्रभारी अजय वर्मा और थानाध्यक्ष मगोर्रा हरीश चौधरी पुलिस टीम के साथ अवैध शराब और मादक पदार्थ तस्करों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि एक अन्तर्राज्यीय मादक पदार्थ तस्कर भारी मात्रा में गांजा की खेप लेकर कुम्हेर रोड़ से जाने वाला है। सूचना मिलते ही स्वॉट टीम प्रभारी अजय वर्मा और थानाध्यक्ष मगोर्रा हरीश चौधरी पुलिस टीम में

एसआई प्रशांत शर्मा, पविन्द्र कमार, एसआई सतीश कुमार, मुख्य आरक्षी विनेश, बालिस्टर सिंह, नवीन कुमार और स्वॉट टीम के मुख्य आरक्षी दुर्विजय सिंह, हरजेंद्र सिंह, अखिल प्रताप सिंह, रमन चौधरी और सुनील कुमार के साथ वहां पहुंच गए। उसी दौरान गांजा की खेप लेकर जा रहा अन्तर्राज्यीय मादक पदार्थ तस्कर सामने पुलिस को देखकर वापस भागने लगा। पुलिस टीम ने भागने का प्रयास कर रहे शातिर तस्कर योगेश कुमार पुत्र बिहारी सिंह निवासी गांव श्योहरा थाना डीग जिला डीग (राजस्थान) को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए तस्कर के कब्जे से 28 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

मगोर्रा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहे बदमाश को दिल्ली में दबोचा

मथुरा (जीएनएस)। थाना मगोर्रा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहे बदमाश को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार थानाध्यक्ष मगोर्रा हरीश चौधरी पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहा एक बदमाश के-3 बंगले के पास साउथ दिल्ली में छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष हरीश चौधरी और एसआई अंकित कुमार पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे गैंगस्टर एक्ट के फरार आरोपी दीपक पुत्र जसवंत निवासी नगला रति थाना मगोर्रा को दौड़ाकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

कौशम्बी:यूपी बोर्ड परीक्षा के पहले दिन कौशांबी में बड़ा फजीवाड़ा उजागर

(जीएनएस)। कौशांबी

हाईस्कूल परीक्षा में 'मुन्ना भाई' बनकर दूसरे छात्र की जगह दे रहा था एग्जाम। सचल दल की सघन चेकिंग में प्रवेश पत्र की गड़बड़ी से खुली पोल। श्री छत्रपाल मौर्य इंटरमीडिएट कॉलेज, मीरापुर कड़ा में रंगे हाथों पकड़ा गया आरोपी। पूछताछ में सामने आयाझ दूसरे इंटर कॉलेज के छात्र की जगह बैठा था परीक्षा में। सूचना पर सैनी पुलिस पहुंची, आरोपी को लिया हिरासत में। पूरे नेटवर्क की जांच शुरू, अन्य संदिग्धों की तलाश तेज। एएसपी राजेश कुमार सिंह का बयानझ परीक्षा की शुचिता से खिलवाड़ करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई।

उच्च प्राथमिक विद्यालय समदा में कृषि विज्ञान का पाठ्यक्रम पीछे

(जीएनएस)।

कौशांबी। बच्चों को बेहतर सुविधा और बच्चों को व्यवस्थित ढंग से पढ़ने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने पाठ्यक्रमों का मासिक विभाजन किया है अगर देखा जाए तो अप्रैल माह में मृदा, मई माह में भू परिष्करण खाद एवं उर्वरक ,जून महीने में ग्रीष्म अवकाश ,जुलाई महीने में सिंचाई ,अगस्त माह में फसलों की सुरक्षा बीज, सितंबर माह में मुख्य फसलों की खेती ,अक्टूबर माह में मुख्य फसलों की खेती और पुनरावृति,नवंबर माह में बाग लगाना, दिसंबर माह में फसलों की खेती, जनवरी माह में फल परीक्षण, फरवरी माह में प्राकृतिक आपदाएं पुनरावृत्ति एवं प्रायोगिक कार्य और मार्च महीने में वार्षिक परीक्षा ऐसे करके उत्तर प्रदेश सरकार ने मासिक विभाजन किया है लेकिन पुनरावृति और प्रायोगिक कार्य को छोड़ दो अभी अक्टूबर माह का मुख्य फसलों की खेती पढ़ाया जा रहा है। ऐसा क्यों?

मा.अध्यक्ष जिला पंचायत ने कृषकों को प्याज बीज,गेंदा बीज, शाकभाजी बीज एवं ड्रैगन फ्रूट पौध का किया वितरण

मा.अध्यक्ष जिला पंचायत कल्पना सोनकर एवं मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजनान्तर्गत उद्यान भवन परिसर में 20 कृषकों को प्याज बीज, 17 कृषकों को गेंदा बीज, 42 कृषकों को शाकभाजी बीज एवं 7 कृषकों को ड्रैगन फ्रूट पौध का वितरण किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने कृषकों से अपील की कि सरकार द्वारा दिए जा रहे उच्च गुणवत्ता युक्त शंकर बीजों एवं पौधों को समय से अपने-अपने प्रक्षेत्रों पर बुवाई करते हुए अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करें।

इस अवसर पर जिला उद्यान अधिकारी अवधेश कुमार मिश्र एवं उद्यान निरीक्षक प्रमोद कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा टी.बी./कैंसर स्क्रीनिंग कैम्प एवं मेडिकल कैम्प लगाया गया

स्वास्थ्य विभाग द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में टी.बी./कैंसर स्क्रीनिंग कैम्प एवं मेडिकल कैम्प लगाया गया।

(जीएनएस)। मेडिकल कैम्प में कलेक्ट्रेट के अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ ही फरियादियों/आमजन का ब्लड प्रेशर, डायबिटीज एवं हीमोग्लोबिन आदि का चेक-अप किया गया एवं दवा का वितरण भी किया गया। कुल 110 लोगों का स्वास्थ्य चेकअप किया गया।

प्रधानाचार्य, स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय डॉ. हरिओम सिंह ने ह्दयसेतु पर जन-जागरूकता के दृष्टिगत उपस्थित लोगों को बताया कि हार्ट अटैक के मरीजों को त्वरित और निःशुल्क उपचार प्रदान करने की एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रधानाचार्य

के बताया कि यदि किसी को हार्ट अटैक के प्रारम्भिक लक्षण जैसेः- छाती के बीच में तेज दर्द, भारीपन या जकड़न, सांस फूलना, ठंडा पसीना आना, चक्कर आना, और दर्द का बांहों, गर्दन या जबड़े तक फैलना आते है तो जीवन रक्षक औषधि समय पर लेने से मरीज की जान बचाई जा सकती है, साथ ही प्रधानाचार्य द्वारा यह भी बताया गया कि ऐसे व्यक्ति यदि अस्पताल मे ससमय उपचार हेतु लाये जाते है तो इनका ई.सी.जी. तत्काल करते हुए हब सेन्टर मोती लाल नेहरू प्रयागराज को भेजकर अतिरिक्त चिकित्सीय परामर्श प्राप्त करने के उपरान्त जीवन रक्षक इन्जेक्शन लगाते हुए हब सेन्टर मोती लाल नेहरू प्रयागराज के कार्डियोलॉजिस्ट विभाग मे भेज दिया जाता है।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी अपर जिलाधिकारी ओम प्रकाश, डॉ. संजय कुमार व प्रभारी चिकित्साधिकारी मंझनपुर नीरज कुमार सहित अन्य उपस्थित रहें।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 115 जोड़े वैवाहिक बंधन में बधें

(जीएनएस)।

जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल एवं भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने नवीन मण्डी समिति, ओसा में आयोजित भव्य मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में कुल 115 जोड़े वैवाहिक बंधन में बधें। समारोह में वैदिक मन्त्रोच्चार एवं पारम्परिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह संपन्न कराया गया।

जिलाधिकारी, भाजपा जिलाध्यक्ष, मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी, पूर्व विधायक लाल बहादुर, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मंझनपुर वीरेन्द्र फौजी, सदस्य उ.प्र. अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग जितेन्द्र कुमार एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख जितेन्द्र सोनकर ने नवदम्पतियों को आशीर्वाद देते हुए ईश्वर से सुखमय, समृद्ध एवं सफल वैवाहिक जीवन की मंगल कॉमना की।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि शासन द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत प्रति जोड़ा एक लाख रूपए का प्राविधान किया गया है। जिसमें 60 हजार कन्या के खाते में हस्तान्तरित किया जाता है, 25 हजार रूपए से घरेलू सामान दिया जाता है एवं 15 हजार रूपए आयोजन पर व्यय किया जाता है। यह योजना आर्थिक रूप से

फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों की जीएसटी चोरी करने वाले शातिरों को पकड़ा

फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों की जीएसटी चोरी कर सरकार को लगातार रहे थे चूना

मथुरा (जीएनएस)। जमुनापार पुलिस और राज्यकर विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करके फर्जी कागजातों से फर्जी फर्म बनाकर वास्तविक माल की बिना आपूर्ति किए बोगस इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) पास करने वाले गैंग दबोच लिया। पुलिस और राज्यकर विभाग की टीम ने संगठित होकर आर्थिक अपराध कर रहे चार शातिरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए शातिरों के कब्जे से भारी मात्रा में बैंक चेकबुक समेत पहचान संबंधी

कागजात बरामद हैं। प्रथमदृष्टया जांच करने पर पता चला है कि पकड़े गए शातिरों द्वारा भारत सरकार और प्रदेश सरकार को बड़े पैमाने पर राजस्व का चूना लगाया जा रहा था। जानकारी के अनुसार राज्यकर अधिकारी सुबोध कुमार और जमुनापार पुलिस ने बल्देव रोड़ स्थित रावल गेट के पास से सरकार को चूना लगा रहे चार शातिरों को गिरफ्तार कर लिया। फर्जी बनाकर सरकार को चूना लगाने वाले शातिरों ने पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर अपने नाम नागेश पुत्र त्रिवेश, करन पुत्र महेश, देव पुत्र अनिल और प्रशांत पुत्र जगदीश बताए हैं। पकड़े गए आरोपी फर्जी फर्मों के नाम पर कागजी लेन-देन दिखाकर बोगस (आईटीसी) का लाभ उठाते हुए सरकार को राजस्व का चूना लगा रहे थे। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से विभिन्न बैंकों की 68 चेकबुक, 41 एटीएम कार्ड, 7 पैन कार्ड, 4 आधार कार्ड, 8 मोबाइल फोन, 3 सिम कार्ड, 3 रेंट एग्रीमेंट, 14 चाबियों का गुच्छा और विभिन्न फर्मों के नाम की 8 मोहर बरामद की हैं। राज्यकर अधिकारियों के मुताबिक पकड़े गए गैंग से जुड़े नेटवर्क और राजस्व क्षति का आंकलन करने के लिए जांच की जा रही है।

अवैध संबंध बनाने का विरोध करने पर की थी विवाहिता की गला काटकर हत्या

पुलिस ने हत्यारोपी देवर, सबूत मिटाने वाले सास-ससुर और पति को किया गिरफ्तार

मथुरा (जीएनएस)। थाना नौहझील क्षेत्र स्थित गांव बाघई कटैलिया में अवैध संबंध बनाने का विरोध करने पर देवर ने भाभी की गला काटकर हत्या की थी। हत्या करने के बाद शातिर ने अपनी गर्दन पर भी ब्लेड मारकर आत्महत्या करने का नाटक किया था। विवाहिता की हत्या के बाद सास-ससुर और पति ने हत्यारोपी को बचाने और पुलिस को चकमा देने के लिए घर में से सबूतों को मिटाने की पूरी कोशिश की थी। पुलिस ने हत्यारोपी देवर और सबूत मिटाने वाले सास-ससुर और पति को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी नौहझील सोनू सिंह संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद विवाहिता की गला काटकर हत्या करने वाला हत्यारोपी देवर दीपक और सबूतों को मिटाने वाले सास-ससुर तथा पति घर आए हुए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सोनू सिंह और एसआई विदित कुमार पुलिस टीम के साथ हत्यारोपी के मकान पर पहुंच गए और दबिश देकर हत्यारोपी दीपक पुत्र ज्वाला प्रसाद, मृतका की सास, ससुर ज्वाला प्रसाद पुत्र स्व. गनेसी लाल और मृतका के पति प्रमोद कुमार उर्फ कालू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त ब्लेड के तीन टुकड़े, रक्तरंजित तकिया, बैडशीट समेत अन्य कपड़े बरामद किए हैं। बताते चलें कि विगत 15 फरवरी की रात्रि में हत्यारोपी देवर दीपक ने भाभी के साथ जबरन अवैध संबंध बनाने का प्रयास किया था। उस समय विवाहिता ने विरोध करते हुए देवर की शिकायत पति से करने की कही तो हत्यारोपी देवर दीपक ने ब्लेड से अपनी ही भाभी के गले कई प्रहार करके हत्या कर दी थी। विवाहिता की हत्या करने के बाद पुलिस को चकमा देने के लिए हत्यारोपी देवर ने ब्लेड से अपनी गर्दन की खाल काटकर घायल हो गया था। घटना के बाद मृतका के ससुर ज्वाला प्रसाद, पति प्रमोद कुमार उर्फ कालू और सास ने हत्यारोपी